माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
Ani. Hus. & Poultry	4 3 0	हिन्दी

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.भोपाल BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

0039365

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

1	2	9	4	7	2	5	3	1	5

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 1 शब्दों में एक

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 4

ग :– परीक्षा का दिनांक 26 03 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकन्डरी परीक्षा 2019

केन्द्राध्यक्ष
केन्द्र क्र. 471005

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
मुकेश बैरागी (हस्ताक्षर)	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
जे0…	

केवल परीक्षक द्वारा भरा…

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों … करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप… (…में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

② [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 2 के अंक | कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न:-1
उत्तर:-1

सही - विकल्प

(i) जीवाणु ।

(ii) वर्षा के पहले ।

B
S
E

(iii) गलघोंटू ।

(iv) फरह मथुरा ।

(v) ब[illegible]री ।

P.T.O.

योग ... कुल पृष्ठ

रिक्त स्थान पुर्ति

(अ) स्पेन ।

(ब) भेड़ ।

(स) 150 दिन ।

(द) करनाल (हरियाणा)

(इ) कैरोटिन व जैन्थोफिल ।

P.T.O.

4 [ ] + [ ] = [ ]

पृष्ठ 4 के अंक — कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्र03
उ03

~~सत्य | असत्य~~

(अ) असत्य |

(ब) असत्य |

(स) असत्य |

(द) सत्य |

(इ) असत्य |

P.T.O.

BSE

5

यो ... क अंक = कुल अंक

प्रश्न क.

सही - जोड़ी

(a) मुर्गी फार्म की छत - छप्पर पक्की खपरेल ।

(b) 100 मुर्गी के बच्चों के लिये पानी की व्यवस्था - 20-25 लीटर ।

(c) रानीखेत - वायरस ।

(d) बी.बी.एन.डी. वैक्सीन - बर्ड फ्लु ।

(e) कुक्कुट शीतला - छोटे पक्षियों में ।

P.T.O.

6

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ के अंक = कुल अंक

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्र०5
उ०5 कतला मछली की दो विशेषताएँ

कतला (कतला-कतला) मछली की प्रमुख विशेषताएँ निम्न है:-

(1) कतला मछली का शुथन चौड़ा व निचले ओष्ठ उभरे हुए होते है।

(2) कतला मछली तेजी से वृद्धि करती है। इसलिए यह मछली पालन की प्रमुख नस्ल है।

(3) इस मछली का शरीर बड़े-बड़े शल्कों (Scales) से ढका होता है।

(4) ... की लम्बाई 180 cm. की होती है

P.T.O.

B
S
E

न क्र.

06

06

विदेशी सुअर की दो नस्लें

विदेशी सुअर की प्रमुख नस्ले निम्न है :-

(1) ड्युरॉक (2) ईमवार्थ

(3) वृहत् सफेद यार्कशायर।

(4) मध्य सफेद यार्कशायर।

(5) ब्लैक बार्कशायर।

P.T.O.

8

पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 8 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्र०7 उ०7

दुकाजी नस्ल की दो बकरियों

दुकाजी (Dual purpose) नस्ल की प्रमुख निम्न है:-

(1) जमुनापरी :- यह बकरी दुध व मांस के लिये पाली जाती है।

(2) बरबरी :- यह बकरी भी दुध व मांस के लिये पाली जाती है।

(3) सानेन :- इस बकरी को "दुध की रानी" कहते है इसे भी दुध व मांस के लिये पाला जाता है।

(4) अल्पाइन :- इस बकरी को भी दुध व मांस के लिये पाली जाती है।

P.T.O.

B S E

"OR"

सॉयलिंग (Soiling) के तीन लाभ

सॉयलिंग (Soiling) :- "हरे चारों को भली-भाँति उगाकर के ताजी अवस्था मे हाथो-हाथ पशुओं को खिलाने की क्रिया को सॉयलिंग (Soiling) कहते है।"

सॉयलिंग (Soiling) के तीन लाभ

(1) चारों मे बिना पोषक तत्वों की हानि हुए पशु को ताजा चारा खाने को मिलाता है।

(2) एक वर्ष मे चारों की कई फसलें प्राप्त की जा सकती है।

(3) फेन्सिंग (fencing) की भी आवश्यकता नही होती है।

(4 Hey) व साइलेज (Silage) की अपेक्षा यह विधि लाभदायक है।

विधि द्वारा पशु को चारा खिलानें से त्पादन (Production) मे काफी वृद्धि होती है।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

(6) सॉयलिंग विधि से पशुओं को चारा खिलाने मे कम लागत आती है और फायदा अधिक होता है।

प्र०9)
उ०9)

शरीर मे प्रोटीन के कार्य "OR"

B
S
E

शरीर मे प्रोटीन के कार्य निम्नलिखित है:-

(1) शरीर मे होने वाली विभिन्न कार्यिक अभि-क्रियाओं के लिए प्रोटीन अति आवश्यक है।

(2) शरीर की शारीरिक वृद्धि व विकास के लिए प्रोटीन जरूरी है।

(3) शरीर मे मॉस (Meat) के निर्माण मे प्रोटीन आवश्यक होता है।

टीन का सीधा सम्बन्ध उत्पादन (Production) है। अतः उत्पादन मे वृद्धि के लिए प्रोटीन आवश्यक है।

P.T.O.

+ =

भाग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ ... के अंक कुल अंक

मध्यप्रदेश

क्र.

(5) शरीर मे विभिन्न क्रियाओं को ~~नियंत्रित~~ कराने वाले एन्जाइम व हार्मोन स्वभाव से प्रोटीन होते है।

(6) टूटे-फूटे ऊतको (Tissue) की मरम्मत (Repair) करने का कार्य प्रोटीन करते है।

(7) मांस व अण्डा उत्पादन प्रोटीन पर निर्भर करता है क्योंकि अण्डे मे 13% प्रोटीन व मांस मे लगभग 18% प्रोटीन होता है।

010

010 पशुओं की जाँच करने की तीन विधियों के नाम "OR"

P.T.O.

प्रश्न क्र.

प्र०10 उ०10. पशुओं की जाँच करने की प्रमुख विधियाँ निम्न है :-

(1) व्यक्तिगत या समूह चयन (Indivisual / Mass selection)

(2) वंशावली चयन (Pedigree selection)

(3) पारिवारिक चयन (family selection)

(4) सन्तान चयन/(Progeny testing) या सन्तान परीक्षण

(5) गुणांक [illegible] विधि द्वारा चयन [illegible]election by score card method)

BSE

13

"OR"

पशु चिकित्सा की चार औषधियों के नाम

पशु चिकित्सा में उपयोग होने वाली प्रमुख औषधियों के नाम निम्न है:-

(1) नीला थोथा (Copper Sulfate) :- कार्य (Works)

(1) नीला थोथा का 0.25% घोल से पेट के किड़े मारने के लिए उपयोग किया जाता है।

(2) इसके 1% घोल का उपयोग फुट बाथ (foot bath) में खुरपका-मुँहपका रोग के लिए किया जाता है।

(2) फिटकरी (Alum) :- (1) रक्त स्त्राव को रोकने के लिए फिटकरी का उपयोग किया जाता है।

(3) बोरिक अम्ल (Boric acid) :- (1) घावों को सुखाने के लिए बोरिक अम्ल के पावडर (Powder) का छिड़काव किया जाता है।

प्रश्न क्र.

(4) पोटेशियम परमैग्नेट (लाल दवा) :- (Patassium permegnet)

(1) इसका उपयोग हाथों को विसंक्रामित (Seterlize) करने के लिए किया जाता है।

(2) साँप, ~~बिच्छ~~ बिच्छु आदि के काटने पर इसके 2% घोल की सुई एन्टीडोट (Antidote) के रूप मे लगाई जाती है।

B
S
E

(5) मैग सल्फ :- (Megnisium sulfate)

(1) कुनैन के साथ मिलाकर इसे देने से बुखार तुरन्त ठीक हो जाता है।

(6) सल्फर :- (Salfare)

(1) चर्म रोगो के निवारण के लिए ~~करके~~ इसका उपयोग किया जाता है।

P.T.O.

(15) + [ ] = [ ]

पृष्ठ 15 क अंक — कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्र०12
उ०12

बीमार पशुओं के चार लक्षण

बीमार पशुओं की पहचान के चार लक्षण निम्न है:-

(1) पशु सुस्त एवं अप्रसन्न दिखाई देता है।

(2) कान झुके हुए रहते है साथ हि मस्तक भी झुका हुए रहता है।

(3) पशु जुगाली करना बन्द कर देता है।

(4) पशु का थुथन गीला न रहकर शुष्क (सुखा) रहता है।

(5) दुधारु पशु दुध देना कम या बन्द कर देता है।

(6) कार्य करने वाला पशु कार्य मे रुचि नही दिखाता है।

(7) [illegible]ना पतला व दुर्गन्धयुक्त होता है।

[illegible]र पशु आहार खाना कम या बन्द कर [illegible] है।

P.T.O.

B
S
E

योग पूर्व पृष्ठ

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(9) स्वस्थ पशु की नाड़ी गति निम्न है:-

* गाय, भैंस, बैल - 40-50 बार / मिनट।
* भेड़ व बकरी - 60-80 बार / मिनट।

अगर नाड़ी गति सामान्य से कम या ज्यादा है तो पशु बिमार है।

(10) स्वस्थ पशु का तापमान निम्न है:-

* गाय - 101°F से 102°F (101.5°F)
* भैंस - 99°F से 102°F (101°F)

पशु का तापमान सामान्य से कम / ज्यादा है तो पशु बिमार है।

(11) स्वस्थ पशु की श्वांस दर निम्न है:-

* गाय, भैंस बैल - 12-20 बार / मिनट।
* बकरी, ~~भेड़~~ भेड़ - 18-20 बार / मिनट।

अतः पशु का श्वास दर सामान्य से कम व ज्यादा है तो पशु बिमार है।

P.T.O.

B
S
E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

रबड़ी का औसत संगठन "OR"

रबड़ी :- (Ravri)

दूध को धीरे-धीरे गर्म करके तथा उसमें चीनी (शक्कर) की मात्रा 15% मिलाने के पश्चात् जो लच्छेदार गाढ़ा पदार्थ बनाता है उसे रबड़ी कहते हैं।

रबड़ी का औसत संगठन (Composition)

क्र.	रबड़ी के अवयव	उनकी प्रतिशत मात्रा
1.	पानी (Water)	36 %
2.	वसा (fat)	20 %
3.	प्रोटीन (protein)	10 %
	लेक्टोस (lactose) (दुग्ध शर्करा)	17 %
	भस्म	2 %
	शक्कर (चीनी) (सुक्रोस)	

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्र014
उ014

कुल्फी बनाने का फ्लोचार्ट

कुल्फी (kulfi) :-

कुल्फी वह हिमीकृत दुग्ध उत्पाद है जिसमें दुग्ध व चीनी की निश्चित मात्रा को मिलाकर जमाया जाता है, कुल्फी कहलाती है।

B
S
E

कुल्फी बनाने का फ्लोचार्ट

(1) शुद्ध भैंस का दुध

↓

(2) दुध को गर्म करके आधा सान्द्रित करना

↓

(3) सान्द्रित दुध मे 20% चीनी तथा काजु, बादाम, पिस्ता, इलाइची मिलाना।

↓

P.T.O.

(4) मिश्रण को गर्म करने तथा शंकुओं मे भरकर सील लगाना।

↓

(5) शंकुओं को 5–7°C तक ठंडा करना।

↓

(6) बर्फ व नमक के क्रमश: 4:1 के मिश्रण मे प्रशीतन करना।

↓

(7) फ्रीजर ~~(Regri~~ मे संग्रह करना।
(Refrigerater)

P.T.O.

प्रश्न क्र.

प्र०15
उ०15

दुग्ध चूर्ण क्या है व संगठन

~~दुग्ध~~ :-

दुग्ध चूर्ण (Milk powder) :- " दुध को कम तापमान पर सुखा-कर के तैयार चुर्ण, दुग्ध चुर्ण कहलाता है। इसे पुनः दुध मे परि-वर्तित किया जा सकता है। "

दुग्ध चूर्ण का संगठन (Composition)

क्र.	दुग्ध चूर्ण के अवयव	पूर्ण दुध द्वारा	सप्रेटा दुध द्वारा
1.	नमी	3.8 %	3.5 %
2.	वसा	26 %	1 %
3.	प्रोटीन	27 %	35.5 %

P.T.O.

B
S
E

क्र.	दुग्ध चूर्ण के अवयव	पूर्ण दुग्ध द्वारा	सप्रेय दुग्ध द्वारा
4.	लेक्टोस	37.2 %	52 %
5.	राख	6 %.	7.9 %

"OR"

मुर्गीपालन का भारतीय अर्थवस्था मे महत्व

मुर्गीपालन का भारतीय ~~अर्थवस्था~~ अर्थव्यवस्था मे निम्न महत्व है :-

(1) भूमि एवं पूंजी :- मुर्गीपालन व्यवसाय करने के लिए अधिक भूमि व ज्यादा पूंजी की आवश्यकता नहीं होती है

(2) राष्ट्रीय आय मे वृद्धि :- भारत सरकार के मन्त्रिमण्डल के सांख्यिकी विभाग के अनुसार पशुपालन की भाँति मुर्गीपालन से राष्ट्रीय आय प्राप्त होती है।

प्रश्न क्र.

(3) विदेशी मुद्रा की प्राप्ति :-

मुर्गीपालन व्यवसाय के विभिन्न उत्पाद की विदेशों मे भारी माँग है तथा विदेशों मे इन उत्पादों के निर्यात करने से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है।

(4) सहायक व्यवसाय के रूप मे :-

~~ब ध~~ छोटे किसान मुर्गीपालन व्यवसाय को सहायक धन्धे के रूप मे कर काफी मुनाफा कमा रहे है जिससे किसानों मे आय मे वृद्धि हो रही है तथा अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था मजबुत हो रही है।

(5) विभिन्न उत्पाद पर लगाया गया टैक्स (कर) से :-

मुर्गीपालन व्यवसाय के विभिन्न उत्पाद जैसे चिकन (मांस) पर G.S.T. लगाने से सरकार को कर प्राप्त हो रहा है तथा प्रत्यक्ष रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था सुदृढ हो रही है।

(6) रोजगार की प्राप्ति :-

मुर्गीपालन व्यवसाय मे लगें लोगो को रोजगार प्राप्त हो रहा है जिससे बेरोजगारी दर कम हो रही है। इन लोगो को रोजगार प्राप्त

होने से सरकार को फायदा हो रहा है।

अत: इस प्रकार हम कह सकते हैं कि अन्य व्यवसायों की तरह ही मुर्गीपालन से भारतीय अर्थव्यवस्था मे मह... योगदान है।

"OR"

आहार मे विटामिन्स A, B, C, D, K एवं E के एक-एक कार्य

मुर्गियों के आहार मे विटामिन्स A, B, C, D, E एवं K के प्रमुख कार्य निम्न हैं :-

क्र.	विटामिन्स का नाम व रा. नाम	कार्य (Work)
1.	Vitamin 'A' रासायनिक नाम:- रेटिनाल	(1) शारीरिक वृद्धि के लिये। (2) नेत्र की तन्त्रिका कोशिकाओं के पूर्ण विकास के लिये। (3) रतौंधी रोग से बचाव के लिये।
2	Vitamin 'B' काम्प्लेक्स रा. नाम:- थायमिन, राइबोफ्लेविन, पेन्थोनिट अम्ल, Folic अम्ल, नियासिन आदि।	(1) भूख बढ़ाने के लिए। (2) तन्त्रिका तन्त्र को सुचारू रूप से चलाने के लिये। (3) 'बेरी-बेरी' रोग से बचाने के लिये

प्रश्न क्र.

क्र	विटामिन्स नाम व रा. नाम	कार्य (Works)
3.	Vitamin 'C' रा. नाम- Scarbic acid	(1) मुँह को स्वस्थ रखने के लिये। (2) स्कर्वी रोग से बचाव के लिए।
4.	Vitamin 'D' रा. नाम:- 'Calciferol'	(1) दाँतों व हड्डियों के विकास के लिये, (2) फास्फोरस व कैल्शियम के अवशोषण के लिये। (3) सुखा रोग से बचाव के लिये।
5.	Vitamin 'E' रासायनिक नाम:- "Tecoferol"	(1) प्रजनन ~~सम्बन्धं~~ सम्बन्धी बिमारी को दूर करने के लिए। (2) यौन शक्ति के लिये।
6.	Vitamin 'K' रा. नाम:- फायलोक्वीनॉन	(1) रक्त का थक्का ~~थ~~ जमाने के लिए (Blood clothing)

B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
Ani. Hus. & Poultry.	4 3 0	हिन्दी	26 03 2019

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

...378833

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

9 4 7 2 5 3

Nine four ...

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी परीक्षा
C. No. 471005

परीक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

मुकेश बैरागी

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक............तक कुल प्राप्तांक ☐ + ☐ = ☐

प्रश्न नं:- 18
उत्तर:- 18

बर्ड फ्लु रोग व चार लक्षण

बर्ड फ्लु रोग (Bird flue disease) :- यह रोग मुर्गी मे होने वाली एक भयंकर संक्रामण विषाणु जनित रोग है। यह रोग इन्फ्लुएन्जा विषाणु - A के विभिन्न स्ट्रेन्ज (Strains) से होता है। जिसमें सबसे ज्यादा खतरनाक H-1 N-1 स्ट्रेन्ज होता है।

मृत्यु दर :- मुर्गी मे होने वाले बर्ड फ्लु की मृत्यु दर 100% होती है। अर्थात् यह रोग होने पर पक्षियों (मुर्गियों) की मृत्यु सुनिश्चित है।

P.T.O.

पृष्ठ के अंको का योग

B S E

2

प्रश्न क्र.

बर्ड फ्लु के चार लक्षण :-

बर्ड फ्लु रोग के प्रमुख लक्षण निम्न है:-

(1) मुँह व नासिका रन्ध्रो से लसलसा पदार्थ निकलता रहता है

(2) मुर्गी को श्वांस लेने मे कठिनाई होती है

(3) मुर्गी मे लकवा (Paralysis) की शिकायत ~~है~~ होती है

(4) मुर्गी मे दस्त मे बारम्बारता होती है

(5) मुर्गी मुँह खुला रखती है तथा उसे ऊँचा करके रखती है

(6) मुर्गियों को छीके भी आती है

(7) मुर्गियों की मृत्यु तेजी से होती है। (उच्च मृत्यु दर)।

रोकथाम के उपाय (prevention measures) :-

(1) संक्रमित क्षेत्रों या देशों से चूजे, मांस आदि पर पूर्णतः सख्त प्रतिबन्ध लगा देना चाहिए।

(2) संक्रमित क्षेत्र की दस किलोमीटर की परिधि मे आने वाले सभी मुर्गी फार्म व गाँव की मुर्गियों मे जलाकर मार देना चाहिए।

P.T.O.

3

क्र.

(3) समय - समय पर मुर्गियों की जाँच करनी चाहिए। जिससे बर्ड फ्लू को जड़ से खत्म किया जा सके।

(4) देशी मुर्गियों को पालने को प्रोत्साहित करना चाहिए